>

Title: Regarding implementation of railway projects in Karimnagar Parliamentary Constituency, Andhra Pradesh.

श्री पोन्नम प्रभाकर (करीमनगर): सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अपने संसदीय क्षेत्र की एक बड़ी समस्या को यहां रखने का मौका दिया है। हर रेल मंत्री जी अपने रेल बजट में कहते हैं कि रेलवे भारत की लाइफ लाइन बनेगी। लेकिन मुझे आज तक समझ में नहीं आता कि करीमनगर जैसा जिला मुख्यालय देश की आजादी के 60 साल बाद भी राज्य की राजधानी से रेल से नहीं जुड़ पाया है। हमारा जिला आईएपी, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र है। वहां पर काफी बेरोजगार है। वहां से स्टेट हैड क्वार्टर जाने के लिए रेल लाइन नहीं है, सिर्फ रोड द्वारा ही जाना पड़ता है। रोड भी सही नहीं है और वहां जो दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें अब तक हजारों लोगों की मृत्यु हो चुकी है। पूरी रिपोर्ट रखने के बावजूद भी कुछ काम नहीं हुआ। दो साल पहले तत्कालीन रेल मंत्री ममता जी ने रेल बजट में करीमनगर-हैदराबाद वाया सिकंदराबाद वाया सिद्दिपेट के लिए सर्वे कराने की घोषणा की थी। लेकिन आज तक उस पर कोई कार्य नहीं हुई और कोई प्रगति नहीं दिखाई दे रही है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि यह रेल लाइन 130 किलोमीटर की दूरी है। इस लाइन के बनने से वहां के पूरे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुविधा होगी और वहां से जो शहरों में पलायन हो रहा है, वह भी रुकेगा, क्योंकि लोगों को वहीं रोजगार मिलेगा और रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। करीमनगर वाया पेद्दीपल्ली स्टेट हैड क्वार्टर सीधी रेल लाइन नहीं है, पेद्दीपल्ली से अलग लाइन है, वहां तिरुपति के लिए एक ट्रेन पिछली बार रेल बजट में चलाने की घोषणा हुई थी। वह सप्ताह में केवल एक दिन चलती है।

MR. CHAIRMAN: The Demands for Grants of Railway is there. You can speak there.

...(*Interruptions*)

श्री पोन्नम प्रभाकर : रेल बजट पर हमारी पार्टी से हमें मौका नहीं मिला इसलिए मैं जीरो आवर में इसे उठा रहा हूं। मेरी मांग है कि उस ट्रेन को वीकली किया जाए।

MR. CHAIRMAN: You cannot speak in full length. It is not a forum to speak like that.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I cannot allow.

...(*Interruptions*)